सोनभद्र में लगेंगे 11 पावर प्लांट

बारिश के पानी में 8, कोयला आधारित 3 विद्युत संयंत्रों की होगी स्थापना

संवाद न्यूज एजेंसी

सोनभद्र। आगामी पांच साल में उत्तर प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन जाएगा। इसके लिए सोनभद्र को देश का पावर हब बनाने की कवायद शुरू हो गई है। इसी क्रम में पंप स्टोरेज यानि पानी के जरिये आठ और कोयला आधारित तीन बिजलीघरों की स्थापना की जाएगी।

प्रोजेक्ट को मंजूरी, जगह चिह्नित होने और मृदा परीक्षण समेत अन्य प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। दावा है कि डेढ़ साल में निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। वर्ष 2030-32 तक इन परियोजनाओं के पूरा होने की उम्मीद है। इससे जिले में बिजली उत्पादन क्षमता 32970 मेगावाट हो जाएगी।

जिले में इस समय 2630 मेगावाट की अनपरा परियोजना, 2320 मेगावाट की ओबरा परियोजना, 1200 मेगावाट की लैंको परियोजना, 5000 मेगावाट की एनटीपीसी की रिहंद और सिंगरौली सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन शक्तिनगर, 1260 मेगावाट के रेणुसागर पावर प्रोजेक्ट से बिजली उत्पादन किया जा रहा है। इसके अलावा 300 मेगावाट का रिहंद और 99 मेगावाट का ओबरा जल विद्युत गृह स्थापित है। कुल 12809 मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं से प्रतिदिन 11 से 12 हजार मेगावाट बिजली पैदा की जा रही है।

जिले में 11 नए पावर प्लांट की स्थापना होनी है। निर्माण जल्द शुरू हो सके, इसके लिए डीएम के निर्देश पर औपचारिकताएं पूरी करने की कवायद चल रही है। - **विनोद कुमार चौधरी, उपायुक्त उद्योग**